दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 09 मार्च 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 161

घड़ियाली आंसू बहाकर लोगों की जेब ढीली कर रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि वाहनों से जुड़े बीमा और जीवन बीमा के प्रीमियम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है तथा मोदी सरकार घड़ियाली आंसू बहाकर आम लोगों की जेब ढीली करने में लगी है।

पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मांग की कि सरकार बीमा पर प्रीमियम राशि को बढ़ने से रोके और बैंकों में खाताधारकों की पूंजी की सुरक्षा करे तथा महंगाई पर नियंत्रण करे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि बीमा के संदर्भ में दो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय होने जा रहे हैं। दोपहिया वाहन और चार पहिया वाहनों पर थर्ड पार्टी बीमा की प्रीमियम राशि में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

इसी तरह जीवन बीमा से जुड़ी फिक्स्ड टर्म पॉलिसी के प्रीमियम में भी 20-25 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। सिंघवी ने कहा कि इन दोनों बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग और इसके नीचे के लोगों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एलआईएसी जीवन बीमा का 70 फीसदी बाजार नियंत्रित करती है। इसमें भी विनिवेश करने का प्रस्ताव है। सरकार एक तरफ इसका निजीकरण करती हैं और दूसरी तरफ प्रीमियम में वृद्धि कर रहे हैं। यह इस किस प्रकार का षडयंत्र है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ईपीएफ पर ब्याज दर में कमी की गई है, गैस सिलेंडर की कीमत 144 रुपये बढ़ा दी गई लेकिन केरोसीन पर सब्सिडी कम कर दी गई है। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत मोदी जी की सीने और उनकी उम्र से ज्यादा हो गई है। 2014 में जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने थे तो डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 58 थी जो अब 73 रुपये तक चला गया। सिंघवी ने आरोप लगाया कि यह सरकार एक तरफ घड़ियाली आंसू बहाती है और दूसरी तरफ आम लोगों की जेब ढीली कर रही है।

यह सरकार आर्थिक मोर्चे और सामाजिक मोर्चे दोनों पर विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि सरकार हस्तक्षेप करके बीमा के संदर्भ में प्रीमियम बढ़ोतरी को रोके। खाताधारकों के पैसे की सुरक्षा की जाए और महंगाई को नियंत्रित किया जाए।

महत्वपूर्ण एवं खास

अबतक दिल्ली हिंसा ने ली 53 लोगों की बली

» 2200 पुलिस गिरफ्त में

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पिछले महीने उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में 690 मामले दर्ज किए गए हैं और करीब 2,200 लोगों को हिरासत में लिया गया है या गिरफ्तार किया गया है. इस हिंसा में 53 लोगों की मौत हुई थी जबकि करीब 200 लोग घायल हुए हैं. पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक शस्त्र कानून के तहत 48 मामले दर्ज किए गए हैं. पुलिस ने बताया कि सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल 2,193 लोगों को या तो हिरासत में लिया गया है या गिरफ्तार किया गया है. इनमें से 50 लोगों को शस्त्र कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में 27 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है. अपराध शाखा दंगों के दौरान हुई हत्याओं की जांच कर रही है और इसी सिलसिले में शाहनवाज नामक व्यक्ति को 20 वर्षीय दिलबर सिंह नेगी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि मामले में दूसरे संदिग्ध की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. पुलिस ने बताया कि नेगी का क्षत-विक्षत शव 26 फरवरी को ब्रह्मपुरी में बरामद हुआ था. वह उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल का रहने वाला था और छह महीने पहले राष्ट्रीय राजधानी आया था. वह दिल्ली के उत्तर-पूर्व इलाके में एक मिठाई की दुकान पर काम करता था।

चार पाक जासूस सैन्य ठिकानों की करते थे जासूसी, गिरफ्तार

कच्छ (आरएनएस)। भारत की खुफिया एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। गुजरात के कच्छ से 4 पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। चारों पर सैन्य के ठिकानों की जासूसी के करने का आरोप है। काफी लंबे समय से चारों जासूस एटीएस और गुजरात की कच्छ पुलिस के रडार पर थे। आज सुबह कच्छ पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल चारों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां उनके तमाम जानकारियां हासिल करने में लगी हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 4 युवकों पर कच्छ के नलिया वायुसेना की डिप्लॉयमेंट की जानकारी और वायुसेना की मूवमेंट सीमापार पाकिस्तान भेजने का आरोप है। ये चारों लंबे समय से कच्छ पुलिस औऱ एटीएस के रडार पर थे। देखने में चार में से 3 आरोपी नाबालिग लग रहे हैं। सैन्य की गुप्त जानकारियां फोटोग्राफी की आड़ में पाकिस्तान भेजी जा रही थीं।

ताहिर की पिस्तौल की होगी जांच

» अगले हफ्ते पुलिस भेजेगी प्रयोगशाला

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के उत्तर पूर्वी में हुई हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन की पिस्तौल को पुलिस अगले हफ्ते फॉरेंसिक प्रयोगशाला में भेजेगी. अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला में यह जांच की जाएगी कि क्या हिंसा के दौरान पिस्तौल से गोलीबारी की गई थी. इस पिस्तौल को पुलिस ने शुक्रवार को बरामद किया था। उल्लेखनीय है कि दंगे के दौरान खुफिया विभाग के कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आत्मसमर्पण करने की अर्जी अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद पुलिस ने ताहिर हुसैन को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया था।

पीएम ने किया नारी शक्ति को सलाम

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति की भावना को सलाम किया है। उन्होंने कहा कि ''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई। हम अपनी नारी शक्ति की भावना और उपलब्धियों को सलाम करते हैं। जैसा कि मैंने कुछ दिनों पहले कहा था कि मैं अब सोशल मीडिया अकाउंट छोड़ रहा हूं। आज पूरे दिन 7 महिलाएं अपने जीवन के बारे में आपसे बातें साझा करेंगी और संभवतः वह मेरे सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए आपसे बातचीत भी करेंगी।

राणा कपूर 11 मार्च तक ईडी की रिमांड पर

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई सेशन कोर्ट ने यस बैंक के फाउंडर राणा कपूर को तीन दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) को रिमांड पर दी. कोर्ट ने राणा कपूर को 11 मार्च तक ईडी की रिमांड दी है. प्रवर्तन निदेशालय ने राणा कपूर की 5 दिन की रिमांड मांगी थी. कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में राणा कपूर को रिमांड में भेजा. बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार देर रात राणा कपूर को गिरफ्तार किया था. मुंबई स्थित ईडी कार्यालय में शनिवार देर को करीब 20 घंटे तक पूछताछ की गई. इससे पहले यस बैंक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक के पूर्व प्रमोटर और संस्थापक राणा कपूर के घर पर छापेमारी भी की थी।

यस बैंक की वित्तीय स्थिति को देखते हुए गुरुवार को आरबीआई ने आदेश दिया था कि 3 अप्रैल 2020 तक कोई भी डिपॉजिटर अपने खाते से 50,000 रुपये से अधिक की रकम निकासी नहीं कर सकता है. इसके बाद डिपॉजिटर्स पर अफरा-तफरी का माहौल भी देखने को मिला. हालांकि, शुक्रवार शाम को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिपॉजिटर्स का आश्वासन दिया कि यस बैंक में उनका पैसा बिल्कुल सुरक्षित है. इसके लिए उन्हें कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है।

बीते कुछ समय में बैंक का गवर्नेंस लगातार सवालिया निशान खड़े करता रहा है. बैंक के मार्केट कैपिटलाइजेशन में लगातार गिरावट देखने को मिली है. कॉरपोरेट सेक्टर में राणा कपूर का नेटवर्क स्ट्रॉन्ग माना जाता है। बैंक को कई महत्वपूर्ण डील दिलाने में कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी।

ईरान में एक और सांसद की मौत

» कोरोना का कहर जारी » ईरान में अब तक 145 लोगों की मौत

तेहरान। चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस का कहर पूरी दुनिया में जारी है। चीन में जहां कोरोना से 3,000 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं, वहीं ईरान भी अब कोरोना की दहशत झेल रहा है। शनिवार को ईरान में कोरोना वायरस ने ईरानी सांसद फतेमह रहबर की मौत हो गई। फतेमह की उम्र 55 वर्ष थी। वहां की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। चीन के वुहान शहर से फैलना शुरू हुए कोरोना वायरस का प्रसार 97 देशों तक हो चुका है। इससे संक्रमित लोगों की संख्या एक लाख को पार कर चुकी है, जबकि इससे मरने वालों की संख्या 3,300 के पार पहुंच चुकी है। सरकारी एजेंसी के मुताबिक, तेहरान निर्वाचन क्षेत्र से हाल ही संसद के सदस्य चुने गए रहबर दूसरे सांसद हैं, जिनकी कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है। ईरान में इस वायरस के चलते अब तक सात नेताओं और अधिकारियों की जान जा चुकी है। ईरान में तेजी से फैले कोरोना वायरस से देशभर में 4,747 लोग संक्रमित हैं जबकि कम से कम 145 की मौत हो चुकी है। ईरान ने वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सभी स्कूलों और विश्वविद्यालयों को बंद करने के साथ ही सांस्कृतिक और खेल के सभी बड़े उत्सव रद्द कर दिए हैं।

'मिशन आदित्य' परियोजना हेतु सरकार को चाहिए सात करोड़

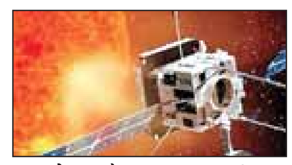

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने सूर्य के प्रभामंडल, चुंबकीय क्षेत्र आदि के अध्ययन के लिये 'मिशन आदित्य' की तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिये अनुदान की पूरक मांगों के तहत संसद से 7 करोड़ रूपये आवंटित करने की मंजूरी मांगी है।

संसद में पेश पूरक अनुदान मांगों के दूसरे बैच के दस्तावेज से यह जानकारी प्राप्त हुई है। वित्त वर्ष 2019..20 के लिए अनुदान की मांगों के दूसरे बैच के दस्तावेज के अनुसार अंतरिक्ष विभाग के मद में मिशन आदित्य एल1 के लिये 7.01 करोड़ रूपये का अनुमोदन मांगा गया है। वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा में पेश अनुदान की पूरक मांग संबंधी दस्तावेज के अनुसार, मिशन आदित्य के अलावा सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास योजना के पूंजीगत व्यय के लिये 65 करोड़ रूपया तथा कार्टोसेट 3 के लिये 22 करोड़ रूपये का अनुमोदन मांगा गया है। गौरतलब है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक 'सूर्य' के अध्ययन के लिये अब 'मिशन आदित्य' की तैयारी कर रहे हैं। इसके तहत सूर्य कोरोना का अध्ययन करने के साथ धरती पर इलेक्ट्रॉनिक संचार में व्यवधान पैदा करने वाली सौर-लपटों के बारे में भी जानकारी एकत्र करने का प्रयास किया जायेगा। हाल ही में इसरो के लीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड (इस्ट्रैक) के निदेशक प्रो वी वी श्रीनिवासन ने कहा था कि सूर्य तक अभी किसी भी देश की पहुंच नहीं है। आदित्य एल-1 मिशन को 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। इसकी कक्षीय अवधि (ऑर्बिटल पीरियड) करीब 178 दिन की होगी। इसरो की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आदित्य-1 की संकल्पना मात्र सौर प्रभामंडल के प्रेक्षण एवं अध्ययन हेतु की गई। सूर्य की बाहरी परतें, डिस्कय (फोटोस्फियर) के ऊपर हजारों कि.मी. तक फैली है।

सीवर सफाई में तीन साल के दौरान 271 सफाई कर्मियों की हुई मौतः आयोग

नई दिल्ली (आरएनएस)। सफाईकर्मियों की सुरक्षा से जुड़ी तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद पिछले तीन साल में सीवर की सफाई करने के दौरान कुल 271 लोगों की जान चली गई और इनमें से 110 मौतें सिर्फ 2019 में हुई हैं।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की संस्था राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की ओर से सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्रदान किए गए आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। आयोग के अध्यक्ष मनहर वालजीभाई जाला का कहना है कि सफाई के लिए आधुनकि मशीनों की सुविधाएं नहीं होने और ज्यादातर जगहों पर अनुबंध की व्यवस्था होने से सफाईकर्मियों की मौतें हो रही हैं। सफाई कर्मचारी आयोग की ओर से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2019 में सीवर की सफाई के दौरान 110 लोगों की मौत हुई।

इसी तरह 2018 में 68 और 2017 में 193 मौतें हुई। प्रदेश स्तर पर सफाईकर्मियों की काम के दौरान हुई मौत के आंकड़े की बात करें तो पिछले तीन साल में सबसे ज्यादा 50 मौतें उत्तर प्रदेश में हुई हैं।

ट्रंप के कार्यक्रम में शामिल होने आया व्यक्ति कोरोना वायरस संक्रमित

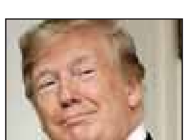

वॉशिंगटन। अमेरिका में शीर्ष राजनीतिक कंजर्वेटिव्स के एक सम्मेलन में शरीक हुआ एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति माइक पेंस भी शामिल हुए थे।

अधिकारियों ने बताया कि कंजर्वेटिव पॉलिटिकल ऐंक्शन कान्फ्रेंस (सीपीएसी) राजनीतिक कंजर्वेटिव्स की देश की सबसे बड़ी वार्षिक जनसभा है जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं। वॉशिंगटन के पास 26-29 फरवरी को हुए इस कार्यक्रम में ट्रंप और पेंस के अलावा कई कैबिनेट सदस्य और वाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के आयोजक अमेरिकन कंजर्वेटिव यूनियन ने रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के हवाले से शनिवार को ट्वीट किया, यह वायरस सम्मेलन से पहले फैला था। न्यूजर्सी के एक अस्पताल ने व्यक्ति की जांच की और पॉजिटिव बताया।

इस व्यक्ति को अलग रखा गया है और वह न्यूजर्सी में चिकित्सीय देखभाल में हैं। बयान में कहा गया है, इस व्यक्ति का राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति से कोई संपर्क नहीं था और वह मुख्य सभागार में कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुआ।

हालांकि, यूनियन के चेयरमैन मैट श्कैल्प ने द वॉशिंगटन पोस्ट को बताया कि उन्होंने कार्यक्रम में संक्रमित व्यक्ति से बातचीत की थी और सम्मेलन के आखिरी दिन मंच पर ट्रंप से हाथ भी मिलाया था।

राष्ट्रपति ने नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किये

» अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को उन सात महिलाओं को सौंप दिया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम किया है। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी उनके साथ थीं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बिहार की बीना देवी को श्नारी शक्ति पुरस्कारश् प्रदान किया। मशरूम की खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए उन्हें श्मशरूम महिला ’के रूप में जाना जाता है। वह टेटियाबंबर ब्लॉक के धौरी पंचायत की सरपंच हैं। राष्ट्रपति 103 साल की मन कौर को एथलेटिक्स में उनकी उपलब्धियों के लिए नारी शक्ति पुरस्कार दिया। राष्ट्रपति कोविंद ने अरिफा जान को नारी शक्ति पुरस्कार दिया। सभी बाधाओं को दूर करते हुए, कश्मीर के आरिफा जान ने नुम्दा हस्तकला को पुनर्जीवित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने 25 से अधिक कश्मीरी कारीगरों को रोजगार दिया है और 100 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया है। राष्ट्रपति कोविंद ने चमी मुर्मू को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया।

हंगामे के कारण पिछले सप्ताह चलते महज करीब तीन घंटे चली राज्यसभा

नई दिल्ली (आरएनएस)। बजट सत्र के दूसरे हिस्से के पहले सप्ताह में राज्यसभा तीन घंटे से भी कम समय के लिए बैठ पायी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरपूर्वी दिल्ली की सांप्रदायिक हिंसा पर चर्चा की विपक्ष की मांग के चलते उच्च सदन कोई खास कामकाज नहीं कर पाया।

सदन अपने निर्धारित समय साढ़े 28 घंटे में से करीब 26 घंटे व्यवधान के चलते गंवा बैठा। सदन की कार्यवाही दिल्ली हिंसा पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे की भेंट चढ़ गई। तीन सप्ताह के अवकाश के बाद सोमवार को वर्तमान बजट सत्र का दूसरा हिस्सा विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान की मांगों पर चर्चा के लिये बहाल हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पहले सप्ताह राज्यसभा महज दो घंटे 42 मिनट के लिए बैठ पायी जबकि उसका कुल निर्धारित समय साढ़े 28 घंटे था। सदन व्यवधान और बार-बार स्थगन की वजह से अपना 25 घंटे 48 मिनट गंवा बैठा। फ्लस्वरूप सदन की कार्य उत्पादकता महज 9.50 फीसदी ही रही।

इसके अलावा, स्थायी समितियों की बैठकों में अनुदान की मांगों पर चर्चा के दौरान 50 फीसदी सांसद अनुपस्थित रहे। सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के 57 फीसदी सांसदों, भाजपा के 36 फीसदी सांसदों, कांग्रेस के 15 फीसदी सांसदों और अन्य दलों के 50 फीसदी सांसदों ने अनुदान की मांगों पर राज्यसभा की आठ समितियां की किसी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया। ये बैठकें 12 फरवरी और एक मार्च के बीच हुई। यही इस संसद सत्र का अवकाश का समय था। पिछले सप्ताह राज्यसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने कोरोना वायरस पर बयान दिया था और सभापति वेंकैया नायडू ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बयान दिया। उन्नीस सदस्यों ने अपनी बातें रखीं । शून्यकाल के दौरान छह मुद्दे उठाये गये और विशेष आकर्षण प्रस्ताव के तहत एक विशिष्ट मुद्दा उठाया गया। पिछले महीने बजट सत्र के प्रारंभ से पहले नेताओं की बैठक में नायडू ने इच्छा प्रकट की थी कि स्थायी समितियां 2020-21 के बजट पर विचार एवं उसे पारित किये जाने से काफी पहले ही अनुदान मांगों पर अपनी रिपोर्ट जमा कर दें। तदनुसार राज्यसभा की समितियों ने समय से संसद में अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

अल्पसंख्यक वर्ग की दो करोड़ से अधिक महिलाओं को मिला लाभ

» पांच वर्षों में विभिन्न योजनाओं में हुई सशक्त

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय ने अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित किया है।

मंत्रालय पहले से ही देश के अन्य क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक परिसंपत्तियों और बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने के उद्देश्य से देश के चिह्नित अल्पसंख्यक सघन क्षेत्रों (एमसीए) में बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (एमएसडीपी) नामक एक केन्द्र प्रायोजित योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) को कार्यान्वित कर चुका है। पीएमजेवीके कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिए कम से कम 80 प्रतिशत संसाधनों और महिला केंद्रित परियोजनाएँ के लिए कम से कम 33-40 प्रतिशत संसाधनों का आवंटन करना है। अल्पसंख्यक महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक-शैक्षिक सशक्तीकरणः छात्रों के शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए-प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति योजना; अल्पसंख्यक मेधावी छात्राओं के लिए 'बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति'। पिछले 5 वर्षों के दौरान 1.94 से अधिक करोड़ों छात्राओं को इनका लाभ मिला है। अन्य योजनाओं में शामिल हैं: 'मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप योजना'; 'नया सवेरा'- निःशुल्क प्रशिक्षण और संबद्ध योजना; 'पढ़ो परदेस' और 'नई उड़ान'।